Sarada to Devanagari transliteration

Nandi Mukha Shraaddham

CC-0 Manuscript

(From the residence of Shri Sathish Bhat, Sarban Kashmir)

Sarada to Devanagari transliteration

Page 1 Slokas L01.01 to L01.08

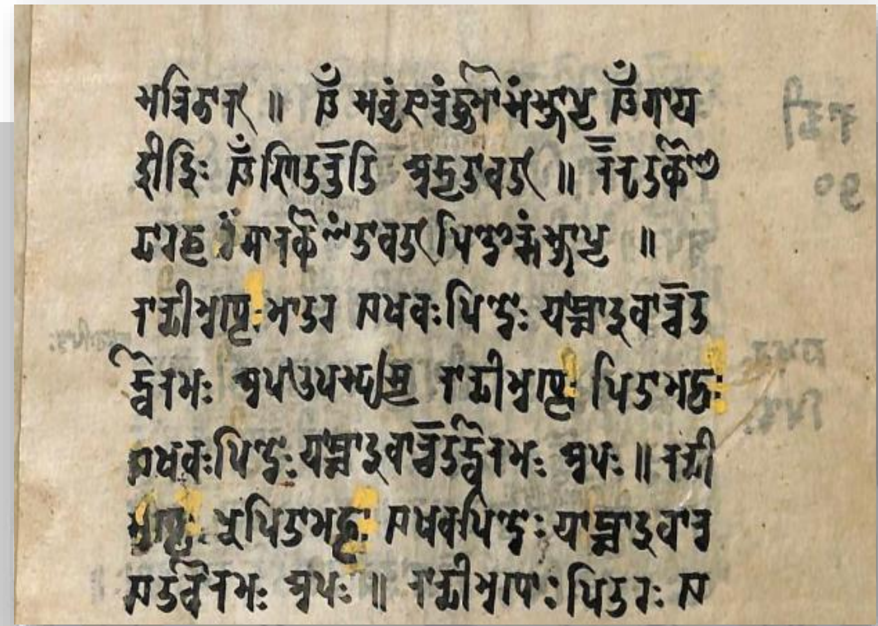

Sarada to Devanagari transliteration

Date	8th August, 2020

L01.01	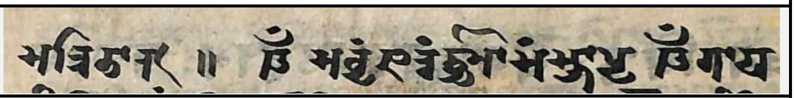
A01.01	1 2 3 4 ॥ 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 स न्नि भा न् ॥ ॐ स व्यं जा नुं भू मौ सं स्था प्य ॐ गा य-
B01.01	सन्निभामन्॥ ॐ सव्यं जानुं भूमौ संस्थाप्य ॐ गाय-
L01.02	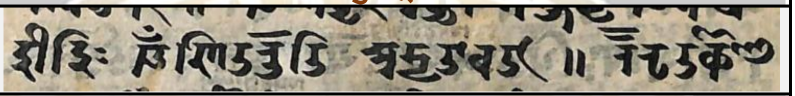
A01.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ॥ 13 14 15 16 17 त्री त्रिः ॐ जि त न्ते ति अ द्यता व त् ॥ नै नृ त को णा
B01.02	त्रीत्रिः ॐ जितन्तेति अद्य तावत् ॥ नैनृतकोणा
L01.03	d 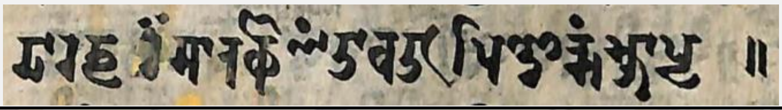
A01.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 ॥ दा र भ्य ई शा न को णं ता व त् पि ण्डा न्सं स्था प्य ॥
B01.03	दारभ्य ईशान कोणं तावत् पिण्डान्संस्थाप्य॥
L01.04	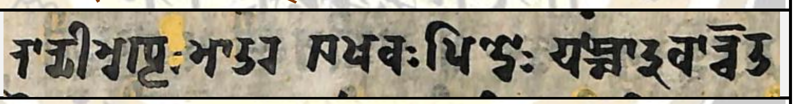
A01.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 ना न्दी मु ख्यः मा त र ए ष वः पि ण्डः या श्चा त्र वा न्वे त-
B01.04	नान्दीमुख्यः मातर एष वः पिण्डः याश्चात्रवान्वेत-
L01.05	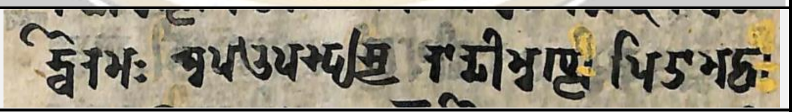
A01.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 द्वो न मः अ प उ प मृ श्य ना न्दी मु ख्यः पि ता म ह्यः
B01.05	द्वो नमः अप उपमृश्य नान्दीमुख्यः पितामह्यः

Sarada to Devanagari transliteration

Date	8th August, 2020, continued...

L01.06	
A01.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 ॥ 17 18 ए ष वः पि ण्डः या श्चा त्र वा न्वे तद्वो नः मः अ पः ॥ न न्दी -
B01.06	एष वः पिण्डः याश्चात्रवान्वेतद्वोनम: अपः॥ न(ना)न्दी -
L01.07	
A01.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 मु ख्यः प्र पि ता म ह्यः ए ष वः पि ण्डः या श्चा त्र वा नु -
B01.07	मुख्यः प्रपितामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्रवानु -
L01.08	
A01.08	1 2 3 4 5 6 7 ॥ 8 9 10 11 12 13 14 15 ए त द्वो न मः अ पः ॥ ना न्दी मु खाः पि त रः ए-
B01.08	एतद्वो नमः॥ अपः ॥ नान्दीमुखाः पितरः ए-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	8th August, 2020, continued…

Notes	1. In Line **01.02** that is actually र् + ऋ, but looks like नृ, so that should be **नैर्-ऋत.** 2. In Line **01.08** नान्दीमुखाः पितरः ए--- will continue on next page. 3. Version – 3: a. **सन्निभान्॥ ॐ सव्यं जानुं भूमौ संस्थाप्य ॐ गायत्रीत्रिः ॐ जितन्तेति अद्य तावत् ॥ नैर्ऋतकोणादारभ्य ईशानकोणं तावत् पिण्डान्संस्थाप्य॥ नान्दीमुख्यः मातर एष वः पिण्डः याश्चात्र वान्वेतद्वो नमः अप उपमृश्य नान्दीमुख्यः पितामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्र वान्वेतद्वो नः अपः॥ नान्दीमुख्यः प्रपितामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्र वानु एतद्वो नमः अपः॥ नान्दीमुखाः पितरः ए -**

Sarada to Devanagari transliteration

Page 2 Slokas L02.01 to L02.08

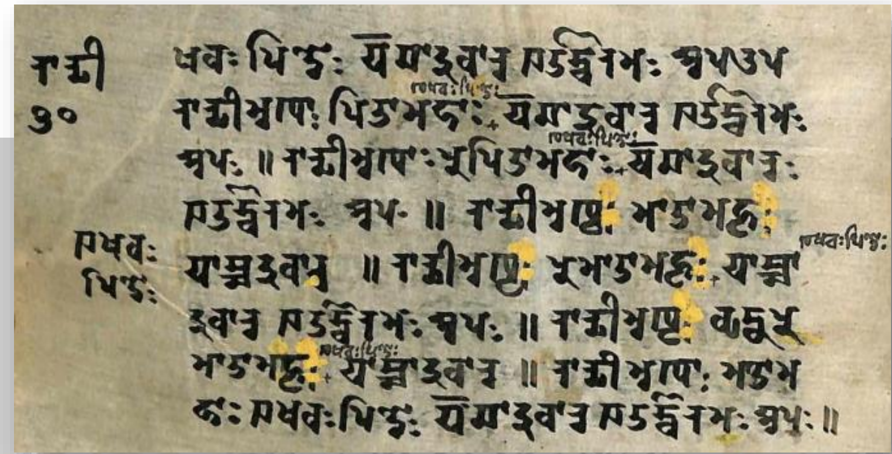

Sarada to Devanagari transliteration

Date	9th August, 2020

L02.01	
A02.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 ष व: पि ण्ड: ये चा त्र वा नु ए त द्वो न म: अ प उ प
B02.01	[ष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वो नमः अप उप(मृश्य)
L02.02	
A02.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 ए ष व: पि ण्ड: ना न्दी मु खा: पि ता म हा: + ये चा त्र वा नु ए त द्वो न म:
B02.02	नान्दीमुखाः पितामहाः ^(एष वः पिण्डः) ये चात्र वा नु एतद्वो नम:
L02.03	
A02.03	1 2 ॥ 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 ए ष व: पि ण्ड: अ प: ॥ ना न्दी मु खा: प्र पि ता म हा: + ये चा त्र वा नु:
B02.03	अपः॥ नान्दीमुखाः प्रपितामहाः ^(एष वःपिण्डः) ये चात्र वा नुः
L02.04	
A02.04	1 2 3 4 5 6 7 ॥ 8 9 10 11 12 13 14 15 ए त द्वो न स: अ प ॰ ॥ ना न्दी मु खा: मा ता म हय:
B02.04	एतद्वो नमः अप.॥ नान्दीमुख्यः मातामहयः
L02.05	
A02.05	1 2 3 4 5 ॥ 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 ए ष व: पि ण्ड: या श्च त्र वा नु ॥ ना न्दी मु ख्य: प्र मा ता म हय: या श्चा
B02.05	^एष वः पिण्डः याश्चात्र वा नु (एतद्वो नमः अपः)॥ नान्दीमुख्यः प्रमातामहयः ^एष वः पिण्डः याश्चा

Commented [VA1]:

Sarada to Devanagari transliteration

Date	9th August, 2020, continued...

L02.06	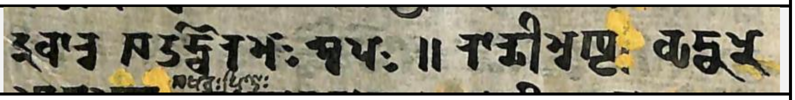
A02.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 ॥ 11 12 13 14 15 16 17 त्र वा नु ए तद्वो न म: अ प: ॥ ना न्दी मु ख्य: वृ द्ध प्र
B02.06	त्र वानु एतद्वो नम: अपः ॥ नान्दीमुख्यः वृद्धप्र-
L02.07	
A02.07	ए ष व: पि ण्ड: मा ता म ह्य: + या श्चा त्र वा नु ॥ ना न्दी मु खा: म ता म
B02.07	मातामह्यः ^एष वः पिण्डः याश्चात्र वा नु॥ नान्दीमुखाः माताम-
L02.08	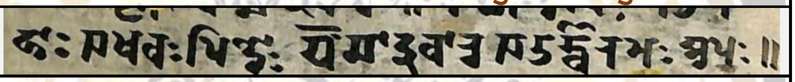
A02.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 ॥ हा: ए ष व: पि ण्ड: ये चा त्र वा नु ए त द्वो न म: अ प: ॥
B02.08	हाः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वो नम: अपः॥

Sarada to Devanagari transliteration

Date	9th August, 2020, continued…

Notes	1. Actually, the title should be Naandimukha Shraaddham. नान्दीमुखाः (masc. plural) and नान्दीमुख्यः (fem. plural) 2. In Line **02.01** the word उप appears, it may be actually उपमृश्य as given in previous page. 3. In Line **02.03** there should not be any विसर्ग नु, नुः is a scribe error 4. In Line 02.04, विसर्ग should be there after अपः. 5. In Line 02.05 (एतद्वो नमः अपः) word can be inserted as it appears in other lines 6. Insertion shown as ^ (एषवः पिण्डः) in Lines **02.02**, **02.03**, **02.05** and **02.07** have been incorporated accordingly. 7. Version – 3: a. [ए]ष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वोनमः अप उप(मृश्य)॥ b. नान्दीमुखाः पितामहाः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वोनमः अपः॥ c. नान्दीमुखाः प्रपितामहाः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वोनमः अपः॥ d. नान्दीमुख्यः मातामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्र वा नु (एतद्वोनमः अपः)॥ e. नान्दीमुख्यः प्रमातामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्र वा नु एतद्वोनमः अपः ॥ f. नान्दीमुख्यः वृद्धप्रमातामह्यः एष वः पिण्डः याश्चात्र वा नु॥ g. नान्दीमुखाः मातामहाः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वोनमः अपः॥

Sarada to Devanagari transliteration

Page 3 Slokas L03.01 to L03.08

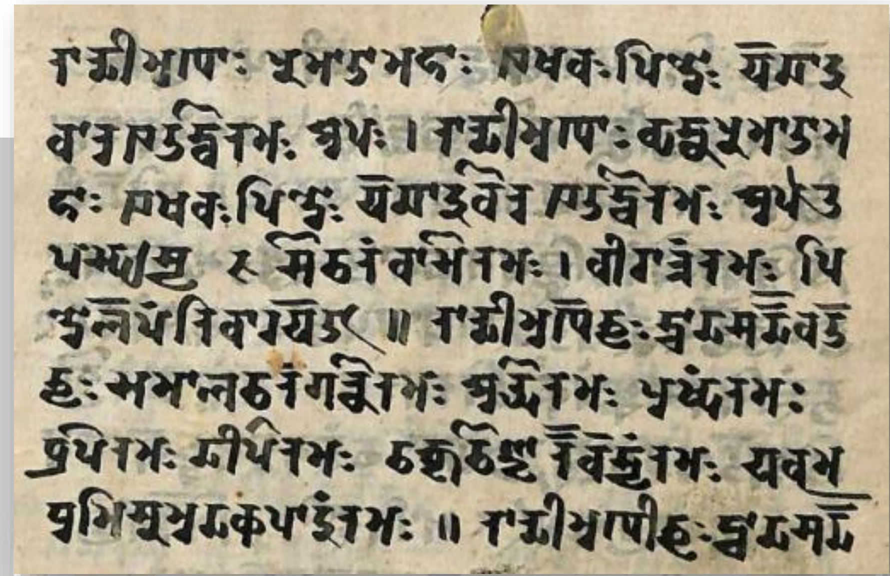

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020

L03.01	
A03.01	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17** ना न्दी मु खाः प्र मा ता म हः ए ष वः पि ण्डः ये चा त्र
B03.01	नान्दीमुखाः प्रमातामहः एष वः पिण्डः ये चात्र
L03.02	
A03.02	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 । 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19** वा नु ए त द्वो न मः अ पः । ना न्दी मु खाः वृ द्ध प्र मा ता म-
B03.02	वानु एतद्वो नमः अपः । नान्दीमुखाः वृद्धप्रमाताम-
L03.03	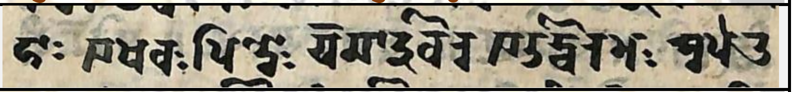
A03.03	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19** हाः ए ष वः पि ण्डः ये चा त्र वो नु ए त द्वो न मः अ प उ-
B03.03	हाः एष वः पिण्डः ये चात्र वो(वा) नु एतद्वो नमः अप उ-
L03.04	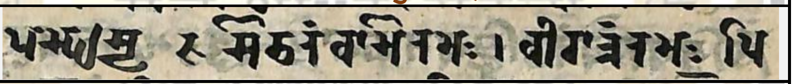
A03.04	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 । 12 13 14 15 16 17** प मृ श्य - शो भ नं वा सो न मः । वी रा न्नं न मः पि-
B03.04	पमृश्य - शोभनं वासो नमः। वीरान्नं नमः पि-
L03.05	
A03.05	**1 2 3 4 5 6 7 8 ॥ 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19** ण्ड ले पं नि वा र ये त् ॥ ना न्दी मु खे भ्यः द्वा द श दै व ते-
B03.05	ण्डलेपं निवारयेत्॥ नान्दीमुखेभ्यः द्वादशदैवते-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020, continued…

L03.06	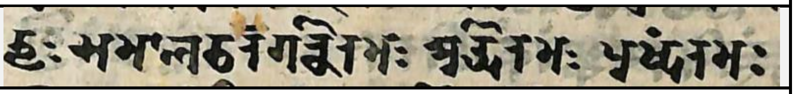
A03.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 भ्यः स मा ल भ नं ग न्धो न मः अ र्घो न मः पु ष्पं न मः
B03.06	भ्यः समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः
L03.07	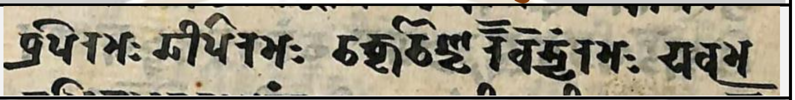
A03.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 धू पो न मः दी पोन मः भ क्ष्य भो ज्य नै वेद्यं नमः य व म-
B03.07	धूपो नमः दीपो नमः भक्ष्यभोज्यनैवेद्यं नमः यवम-
L03.08	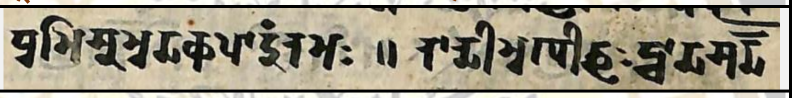
A03.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 ॥ 11 12 13 14 15 16 17 18 19 धु मि श्र मु द क पा त्रं न मः ॥ ना न्दी मु खी भ्यः द्वा द श दै-
B03.08	धुमिश्रमुदकपात्रं नमः॥ नान्दीमुखीभ्यः द्वादशदै-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020, continued…

Notes	1. In Line **03.03**, there is a scribe error that should be वा. 2. In Line **03.07** ओकार मात्रा appears little different. 3. Line 03.08, will be continuing in next page. 4. Version – 3: a. **नान्दीमुखाः प्रमातामहः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वो नमः अपः।** b. **नान्दीमुखाः वृद्धप्रमातामहाः एष वः पिण्डः ये चात्र वा नु एतद्वो नमः। अप उपमृश्य॥** c. **शोभनं वासो नमः। वीरान्नं नमः। पिण्डलेपं निवारयेत्॥** d. **नान्दीमुखेभ्यः द्वादशदैवतेभ्यः समालभनं गन्धो नमः। अर्घो नम॥ पुष्पं नमः।** e. **धूपो नम। दीपो नम॥ भक्ष्यभोज्यनैवेद्यं नमः। यवमधुमिश्रमुदकपात्रं नमः॥** f. **नान्दीमुखीभ्यः द्वादशदै-**

Sarada to Devanagari transliteration

Page 4 Slokas L04.01 to L04.08

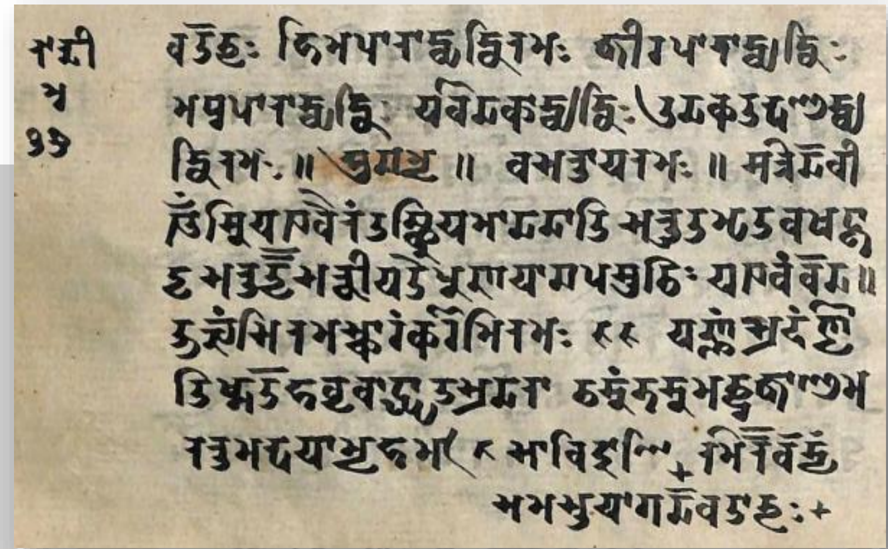

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020

L04.01	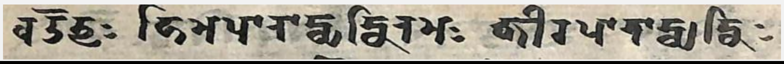
A04.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 व ते भ्यः हि म पा ना द्वृ द्धि न मः क्षी र पा ना द्वृ द्धिः
B04.01	वतेभ्यः हिमपानाद्वृद्धि नमः क्षीरपानाद्वृद्धिः
L04.02	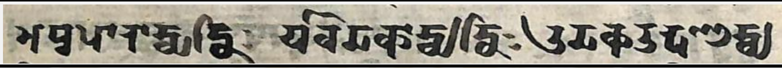
A04.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 म धु पा ना द्वृ द्धिः य वो द का द्वृ द्धिः उ द क त र्प णा द्वृ-
B04.02	मधुपानाद्वृद्धिः यवोदकाद्वृद्धिः उदकतर्पणाद्वृ-
L04.03	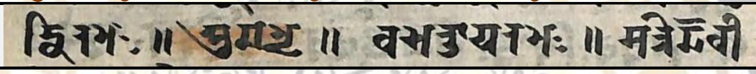
A04.03	1 2 3 ॥ 4 5 6 ॥ 7 8 9 10 11 12 ॥ 13 14 15 16 द्धि न मः ॥ आ च म्य ॥ व स न्ता य न मः ॥ श न्नो दे वी
B04.03	द्धि नमः॥ आचम्य॥ वसन्ताय नमः॥ शन्नोदेवी
L04.04	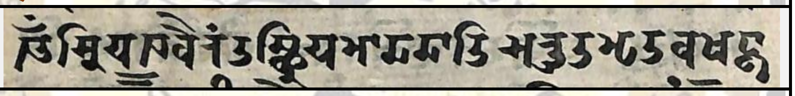
A04.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 ॐ श्रि य ए वै नं त च्छ्रि य मा द दा ति स न्त त मृ त व ष ट्कृ -
B04.04	ॐ श्रिय एवैनं तच्छ्रियमाददाति सन्ततमृतवषट् कृ-
L04.05	
A04.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 ॥ त्य स न्त त्यै स न्धी य ते प्र ज या च प शु भिः य ए वं वे द ॥
B04.05	त्य सन्तत्यै सन्धीयते प्रजया च पशुभिः य एवं वे

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020, continued…

L04.06	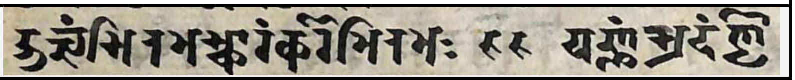
A04.06	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19** ऊ र्जां सि न म स्का रं क रो मि न मः * * य ज्ञं सू र्यं ज्यो-
B04.06	**ऊर्जांसि नमस्कारं करोमि नमः ** यज्ञं सूर्यं ज्यो-**
L04.07	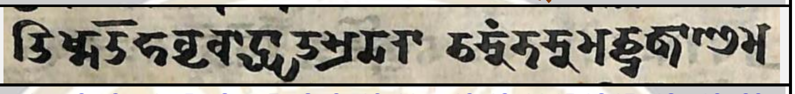
A04.07	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20** ति ष्म ते ह व्य वा ट्घृ त सू द ना भ द्रं भ द्र म भ्यु क्षा णा म
B04.07	**तिष्मते हव्यवाट् घृतसूदना भद्रं भद्रमभ्युक्षाणाम**
L04.08	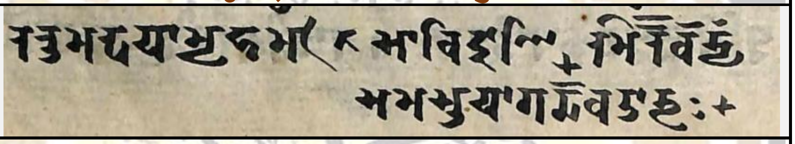
A04.08	**1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19** **20 21 22 23 24 25 26 27 28 29** न न्त म र्प या म्य ह म् * सा वि त्रा णि + न मो नै वे द्यं स म स्त या ग दे व ता भ्यः +
B04.08	**नन्तमर्पयाम्यहम् * सावित्राणि ^(समस्तयागदेवताभ्यः) नमो नैवेद्यं**

Sarada to Devanagari transliteration

Date	10th August, 2020, continued...

Notes	1. [नान्दीमुखीभ्यः द्वादशदै-] whatever is given in bracket is continuing from previous page, Line **03.08**. 2. In Line **04.06 ऊर्जांसि** and Line **04.07 घृतसूदना** the words are not clear. Grammatically ऊर्जांसि can be correct but **ऊ** is usually written in little different way. 3. Insertion shown as ^ **(समस्तयागदेवताभ्यः)** in Line **04.08** has been incorporated accordingly. 4. Version – 3: a. **[नान्दीमुखीभ्यः द्वादशदै-] वतेभ्यः हिमपानाद्वृद्धि नमः।** b. **क्षीरपानाद्वृद्धिः मधुपानाद्वृद्धिः यवोदकाद्वृद्धिः उदकतर्पणाद्वृद्धि नमः॥ आचम्य॥ वसन्ताय नमः॥ शन्नोदेवी ॐ श्रिय एवैनं तच्छ्रियमाददाति सन्ततमृतवषट् कृत्य सन्तत्यै सन्धीयते प्रजया च पशुभिः य एवं वेद॥** c. **ऊर्जांसि नमस्कारं करोमि नमः** यज्ञं सूर्यं ज्योतिष्मते हव्यवाट् घृतसूदना भद्रं भद्रमभ्युक्षाणामनन्तमर्पयाम्यहम् * सावित्राणि समस्तयागदेवताभ्यः नमो नैवेद्यं**

Sarada to Devanagari transliteration

Page 5 Slokas L05.01 to L05.09

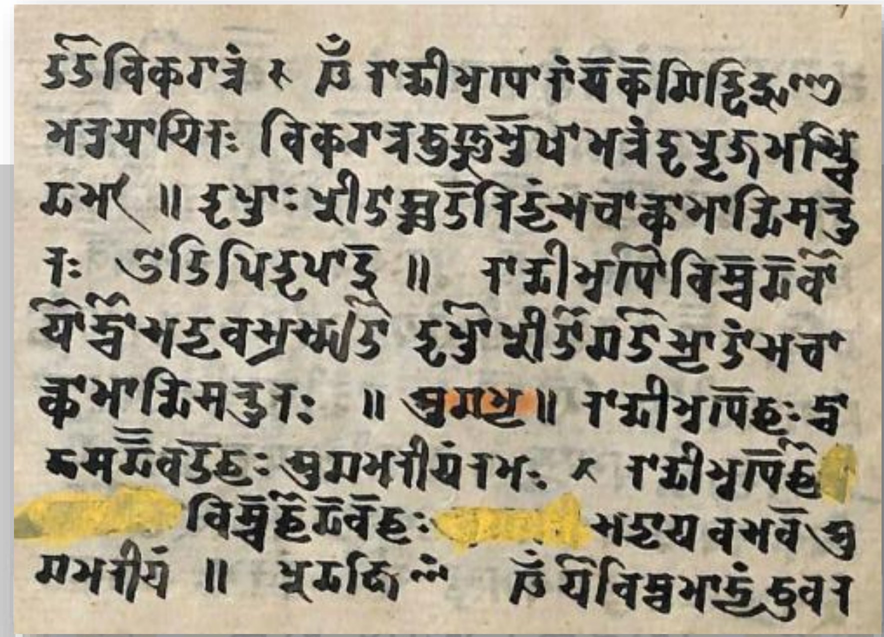

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020

L05.01	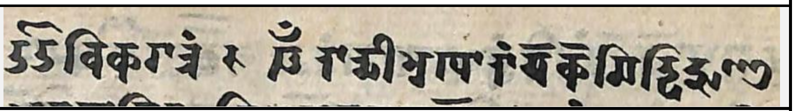
A05.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 त तो वि का रा न्नं * ॐ ना न्दी मु खा नां ये के चि त्पि तृ णा -
B05.01	ततो विकारान्नं * ॐ नान्दीमुखानां ये केचित् पितृणा-
L05.02	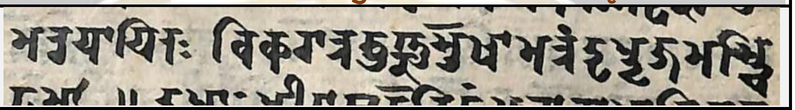
A05.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 म नु या यि नः वि का रा न्न भु ञ्जा स्ते षा म न्नं तृ प्त्य र्थ म स्त्वि-
B05.02	मनुयायिनः विकारान्नभुञ्जास्तेषामन्नं तृप्त्यर्थमस्त्वि-
L05.03	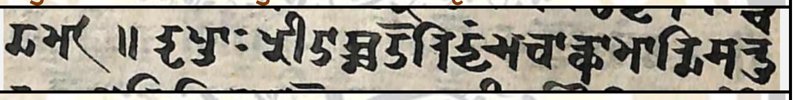
A05.03	1 2 ॥ 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 -द म् ॥ तृ प्ताः प्री ता श्च ते नि त्यं स र्वा न्का मा न्दि श न्तु
B05.03	-दम्॥ तृप्ताः प्रीताश्च ते नित्यं सर्वान्कामान् दिशन्तु
L05.04	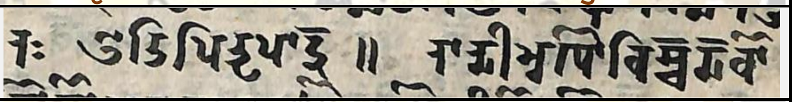
A05.04	1 2 3 4 5 6 7 ॥ 8 9 10 11 12 13 14 15 नः इ ति पि तृ पा त्रे ॥ ना न्दी मु खौ वि श्व दे वौ
B05.04	नः इति पितृपात्रे॥ नान्दीमुखौ विश्वदेवौ
L05.05	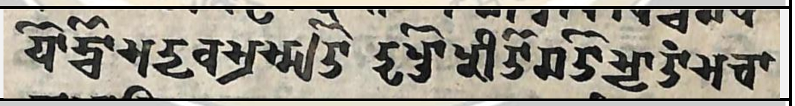
A05.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 यौ द्वौ स त्य व सू स्मृ तौ तृ प्तौ प्री तौ च तौ स्या तां स र्वा
B05.05	यौ द्वौ सत्यवसू स्मृतौ तृप्तौ प्रीतौ च तौ स्यातां सर्वा

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020, continued…

L05.06	
A05.06	1 2 3 4 5 6 ॥ 7 8 9 ॥ 10 11 12 13 14 15 न्का मा न्दि श न्तुनः ॥ आ च म्य ॥ ना न्दी मु खे भ्यः द्वा-
B05.06	**न्कामान्दिशन्तु नः॥ आचम्य॥ नान्दीमुखेभ्यः द्वा-**
L05.07	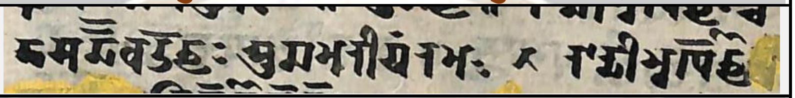
A05.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 द श दै व ते भ्यः आ च म नी यं न मः * ना न्दी मु खे भ्यः
B05.07	**दशदैवतेभ्यः आचमनीयं नमः * नान्दीमुखेभ्यः**
L05.08	
A05.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 वि श्वे भ्यो दे वे भ्यः स त्या य व स वे आ-
B05.08	**नन्तमर्पयाम्यहम् * सावित्राणि ^(समस्तयागदेवताभ्यः) नमो नैवेद्यं**
L05.09	
A05.09	1 2 3 4 ॥ 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 च म नी यं ॥ प्र द क्षि णं ॐ यो वि श्व मा द्यं भु व न-
B05.09	**चमनीयं(यम्) ॥ प्रदक्षिणं ॐ योविश्वमाद्यं भुवन-**

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020, continued…

Notes	1. Version – 3: a. ततो विकारान्नं * ॐ नान्दीमुखानां ये केचित् पितृणामनुयायिनः विकारान्नभुञ्जास्तेषामन्नं तृप्त्यर्थमस्त्विदम्॥ b. तृप्ताः प्रीताश्च ते नित्यं सर्वान्कामान् दिशन्तु नः इति पितृपात्रे॥ c. नान्दीमुखौ विश्वदेवौ यौ द्वौ सत्यवसू स्मृतौ तृप्तौ प्रीतौ च तौ स्यातां सर्वान्कामान्दिशन्तु नः॥ आचम्य॥ d. नान्दीमुखेभ्यः द्वादशदैवतेभ्यः आचमनीयं नमः * e. नान्दीमुखेभ्यः विश्वेभ्यो देवेभ्यः सत्याय वसवे आचमनीयम् ॥ f. प्रदक्षिणं ॐ योविश्वमाद्यं भुवन-

Sarada to Devanagari transliteration

Page 6 Slokas L06.01 to L06.09

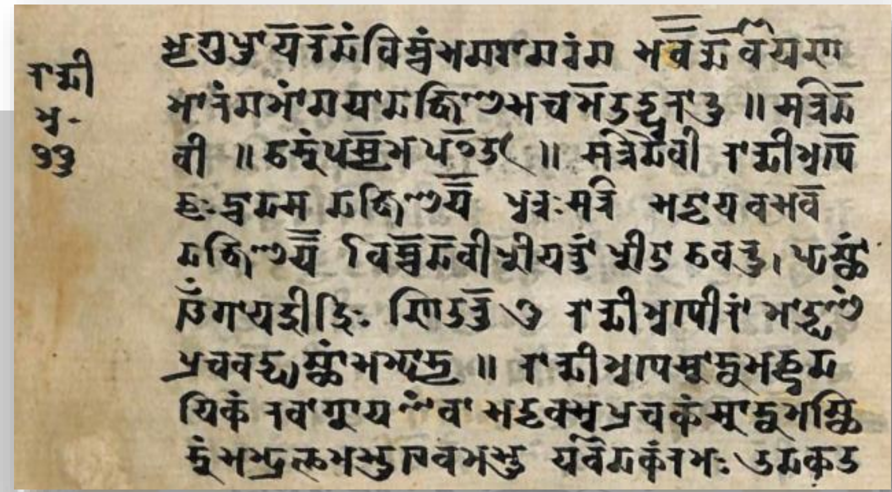

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020

L06.01	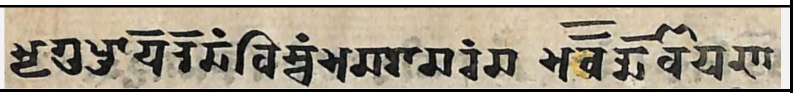
A06.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 स्य गु प्ता यो ने दं वि श्वं स च रा च रं च स र्वै दे वो य ज-
B06.01	स्य गु(गो)प्ता यो ने(न्वे)दं विश्वं सचराचरं च सर्वैदेवो यज
L06.02	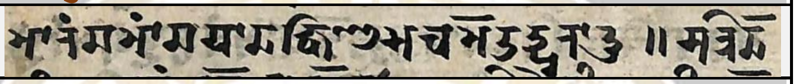
A06.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 ॥ 17 18 19 मा नं च मां च या द क्षि णा स र्व मे त त्पु ना न्तु ॥ श न्नो दे-
B06.02	मधुपानाद्वृद्धिः यवोदकाद्वृद्धिः उदकतर्पणाद्वृ-
L06.03	
A06.03	1 ॥ 2 3 4 5 6 7 8 9 ॥ 10 11 12 13 14 15 16 17 वी ॥ भ द्रं प श्ये म प ठे त् ॥ श न्नो दे वी ना न्दी मु खे-
B06.03	वी॥ भद्रं पश्येम पठेत्॥ शन्नोदेवी॥ नान्दीमुखे
L06.04	
A06.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 -भ्यः द्वा द श द क्षि णा यै पु न्नः श न्नो स त्या य व स वे
B06.04	भ्यः द्वादशदक्षिणायै पुन्नः शन्नो सत्याय वसवे
L06.05	
A06.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 । 17 19 द क्षि णा यै वि श्वे दे वी प्री य न्तां प्री ता भ व न्तु । पृ च्छां
B06.05	दक्षिणायै विश्वेदेवी प्रीयन्तां प्रीता भवन्तु - पृच्छां

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020, continued…

L06.06	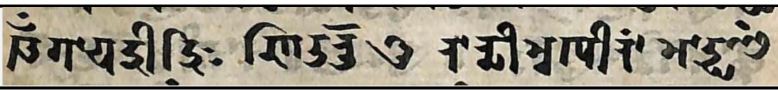
A06.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 ॐ गा य त्री त्रिः जि त न्ते ३ ना न्दी मु खी नां मा तृ णां
B06.06	ॐ गायत्रीत्रिः जितन्ते ३ नान्दीमुखीनां मातृणां
L06.07	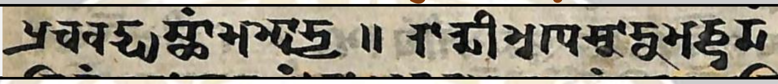
A06.07	1 2 3 4 5 6 7 8 ॥ 9 10 11 12 13 14 15 16 17 पूर्ववत्तृच्छां सम्पादय॥ नान्दीमुखश्राद्धमभ्युद-
B06.07	तिष्मते हव्यवाट् घृतसूदना भद्रं भद्रमभ्युक्षाणाम
L06.08	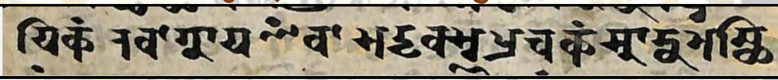
A06.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 यि कं न वा ग्रा य णं वा स त्य व सु पू र्व कं श्रा द्ध म च्छि-
B06.08	यिकं नवाग्रायणं वा सत्यवसुपूर्वकं श्राद्धमच्छि-
L06.09	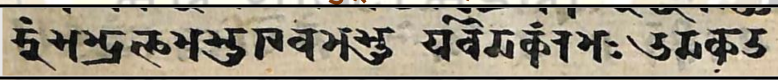
A06.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 द्रं स म्पू र्ण म स्तु ए व म स्तु य वो द कं न मः उ द क त-
B06.09	द्रं सम्पूर्णमस्तु एवमस्तु यवोदकं नमः। उदकत-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	11th August, 2020, continued…

Notes	1. [प्रदक्षिणं ॐ विश्वमाद्यं भुवन-] Whatever is given in bracket is from previous page Line **05.09**. 2. In Line **06.01** that should be **गोप्ता, not गुप्ता.** that is scribe error, and next word should be **(नु+इदं = that will be न्वेदं)** 3. The last Line **06.09** will continue in next page Line **07.01** 4. Version – 3: a. **[प्रदक्षिणं ॐ विश्वमाद्यं भुवन-]स्य गुप्ता (गोप्ता यो ने(न्वे)दं विश्वं सचराचरं च सर्वैदेवो यजमानं च मां च या दक्षिणा सर्वमेतत् पुनान्तु॥** b. **शन्नो देवी॥ भद्रं पश्येम पठेत्॥ शन्नोदेवी॥** c. **नान्दीमुखेभ्यः द्वादशदक्षिणायै पुन्नः शन्नो सत्याय वसवे दक्षिणायै विश्वेदेवी प्रीयन्तां प्रीता भवन्तु - पृच्छां** d. **ॐ गायत्रीत्रिः जितन्ते ३ नान्दीमुखीनां मातृणां पूर्ववतृच्छां सम्पाद्य॥** e. **नान्दीमुखश्राद्धमभ्युदयिकं नवाग्रायणं वा सत्यवसुपूर्वकं श्राद्धमच्छिद्रं सम्पूर्णमस्तु एवमस्तु यवोदकं नमः। उदकत-**

Sarada to Devanagari transliteration

Page 7 Slokas L07.01 to L07.08

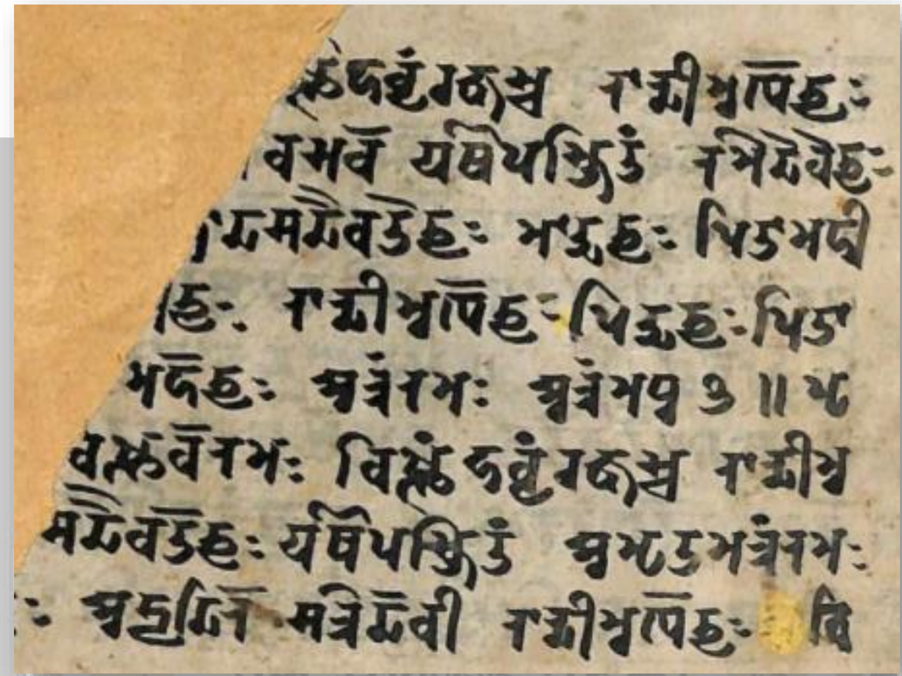

Sarada to Devanagari transliteration

Date	12th August, 2020

L07.01	
A07.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 ह व्यं र क्ष स्व ना न्दी मु खे भ्य
B07.01	------हव्यं रक्षव्य नान्दीमुखेभ्यः
L07.02	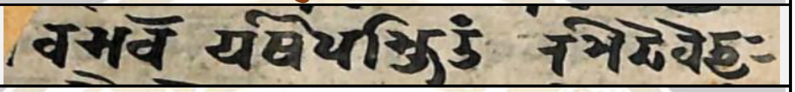
A07.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 व स वे य थो प स्थि तं न मो दे वे भ्य:
B07.02	---वसवे यथोपस्थितं नमो देवेभ्यः
L07.03	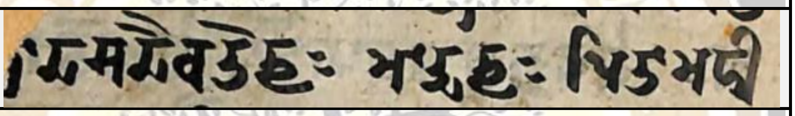
A07.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 द श दै व ते भ्य: मा तृ भ्य: पि ता म ही
B07.03	-(द्वा)दशदैवतेभ्यःमातृभ्यः पितामही-
L07.04	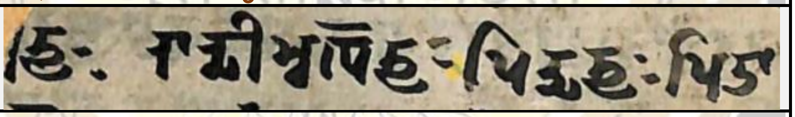
A07.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 भ्य: ना न्दी मु खे भ्य: पि तृ भ्य: पि ता-
B07.04	-भ्यः नान्दीमुखेभ्यः पितृभ्यः पिता-
L07.05	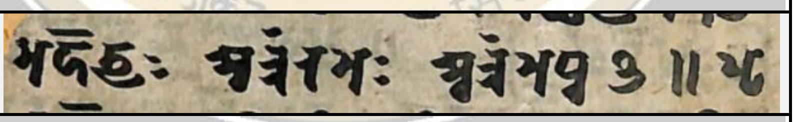
A07.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 II 13 म हे भ्य: अ न्नं न म: अ न्नं म धु २ ॥ पृ
B07.05	महेभ्यः अन्नं नमः अन्नं मधु - २ ॥ पृ-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	12th August, 2020, continued…

L07.06	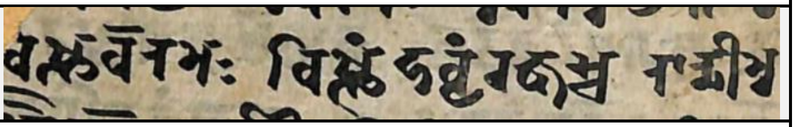
A07.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 वि ष्ण वे न म: वि ष्णं ह व्यं र क्ष स्व ना न्दी मु
B07.06	--वष्णवे नमः वि–हव्यं रक्षस्व नान्दीमु-
L07.07	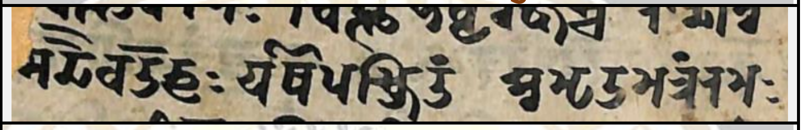
A07.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 श दै व ते भ्य: य थो प स्थि तं अ मृ त म न्नं न म:
B07.07	---श दैवतेभ्यः यथोपस्थितं अमृतमन्नं नमः
L07.08	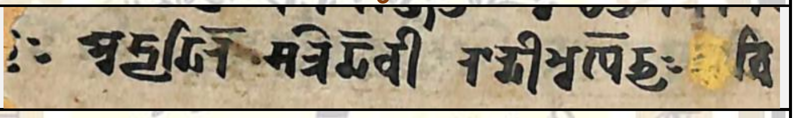
A07.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 अ द्य दि ने श न्नो दे वी ना न्दी मु खे भ्य: वि
B07.08	---अद्यदिने शन्नो देवी नान्दीमुखेभ्यः वि-

Sarada to Devanagari transliteration

Page 8 Slokas L08.01 to L08.08

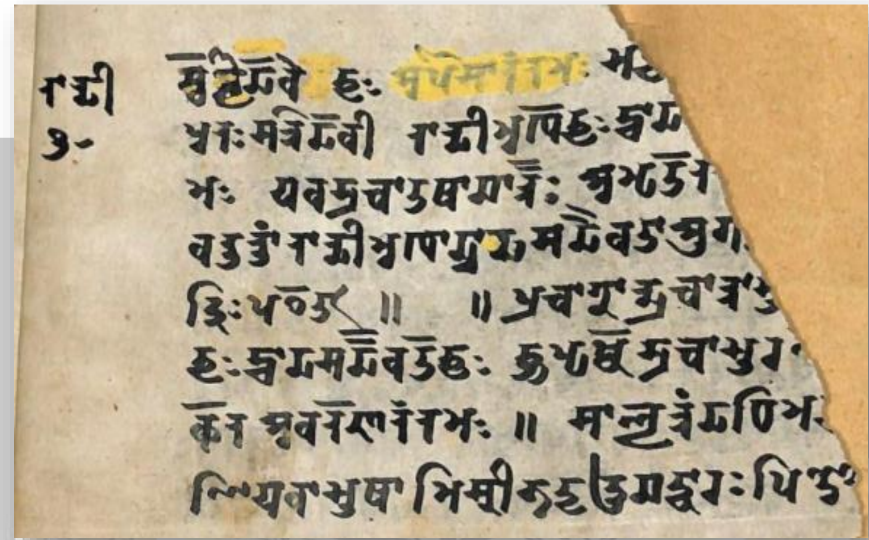

Sarada to Devanagari transliteration

Date	12th August, 2020

L08.01	
A08.01	1 2 3 4 5 श्वे भ्यो दे वे भ्य:
B08.01	श्वेभ्यो देवेभ्यः --------
L08.02	
A08.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 पु न: श न्नो दे वी ना न्दी मु खे भ्य: द्वा द
B08.02	पुनः शन्नोदेवी नान्दीमुखेभ्यः द्वादश-- (दैवतेभ्यो न-)
L08.03	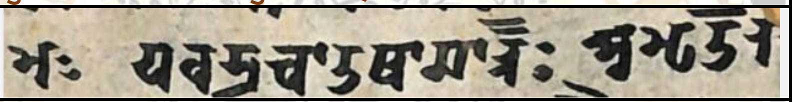
A08.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 म: य व दू र्वा त था चा न्नै: अ मृ ते न
B08.03	-मः यवदूर्वा तथा चान्नैः अमृतेन ---
L08.04	
A08.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 व र्त न्तां ना न्दी मु खा द्वा द श दै व ता आ ग-
B08.04	वर्तन्तां नान्दीमुखा–द्वादशदैवता आ- (गायत्री-)
L08.05	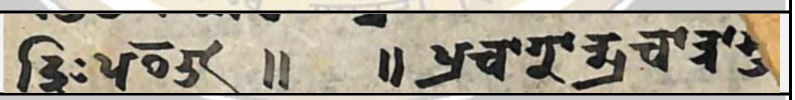
A08.05	1 2 3 4 ॥ ॥ 5 6 7 8 9 10 11 त्रि: प ठे त् ॥ ॥ पू र्वा ग्रा न्दू र्वा न्ना स्त
B08.05	त्रित्रिः पठेत्॥ पूर्वाग्रान्दूर्वान्ना–

Sarada to Devanagari transliteration

Date	12th August, 2020, continued…

L08.06	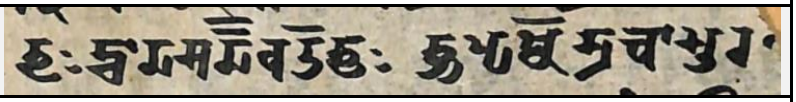
A08.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 भ्य: द्वा द श दै व ते भ्य: भू मृ ष्ठे दू र्वा सु र
B08.06	भ्यः द्वादशदैवतेभ्यः भूपृष्ठे दूर्वासुर------
L08.07	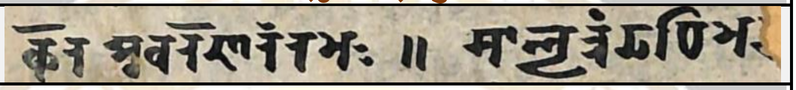
A08.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 ॥ 10 11 12 13 14 15 के न अ व ने ज नं न म: ॥ शा ल्य न्नं द धि म
B08.07	केन अवने जनं नमः॥ शाल्यन्नं दधि म(धु)
L08.08	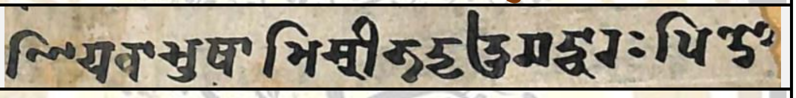
A08.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 णि य वा स्त था मि श्री कृ त्य तु च त्वा र: पि ण्डा
B08.08	णि यवास्तथा मिश्रीकृत्य भू चत्वारः पिण्डा-

Sarada to Devanagari transliteration

Page 9 Slokas L09.01 to L09.05

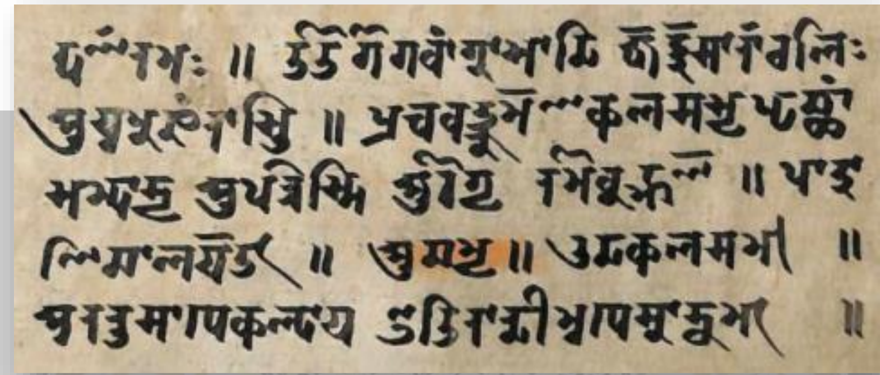

Sarada to Devanagari transliteration

Date	12th August, 2020

L09.01	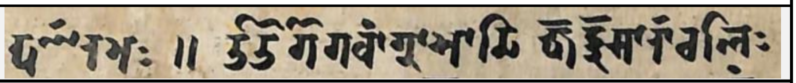
A09.01	1 2 3 4 ॥ 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 र्प णं न मः ॥ त तो गो ग वां ग्रा मा दि क्षे त्रे शा ना ब लिः
B09.01	र्पणं नमः॥ ततो गो गवां ग्रामादिक्षेत्रेशानां बलिः
L09.02	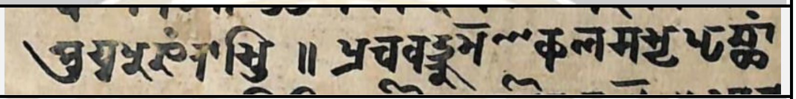
A09.02	1 2 3 4 5 6 ॥ 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 आ यु प्र जां ना स्ति ॥ पू र्व व त्क्र मे ण क ल श स्य पृ च्छां
B09.02	आयुप्रजां नास्ति॥ पूर्ववत्क्रमेण कलशस्य पृच्छां
L09.03	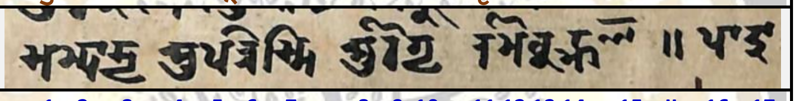
A09.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 ॥ 16 17 स म्पा द्य आ प न्नो स्मि आ रो ग्य न मो ब्र ह्म णे ॥ पा त्रा
B09.03	सम्पाद्य आपन्नोऽस्मि आरोग्य नमो ब्रह्मणे॥ पात्रा
L09.04	
A09.04	1 2 3 4 5 ॥ 6 7 8 ॥ 9 10 11 12 13 14 ॥ णि चा ल ये त् ॥ आ च म्य ॥ उ द क ल श म् ॥
B09.04	णि चालयेत् ॥ आचम्य॥ उदकलशम्॥
L09.05	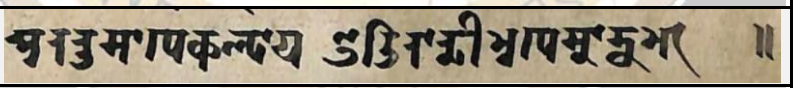
A09.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 ॥ अ नन्त शा ख क ल्पा य इ ति ना न्दी मु ख श्रा द्ध म् ॥
B09.05	अनन्तशाखकल्पाय इति नान्दीमुखश्राद्धम्॥